

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

- | | |
|---|--------------|
| (क) नीचे लिखा हुआ | - निम्नलिखित |
| (ख) जो पुराने विचारों में विश्वास रखता हो | - खडिवादी |
| (ग) सप्ताह में एक बार होने वाला | - साप्ताहिक |
| (घ) बहुत बोलने वाला | - वंचाल |
| (ङ) जिससे कोई परिचय न हो | - अपरिचित |
| (च) जिसमें स्वार्थ की भावना हो | - स्वार्थी |
| (छ) वर्ष में एक बार होने वाला | - वार्षिक |
| (ज) आकाश में विचरण करने वाला | - नभचर |
| (झ) रात्रि में विचरण करने वाला | - निशाचर |
| (ञ) जिसका कोई अंत न हो | - अनंत |
| (ट) जो देखने योग्य हो | - दर्शनीय |
| (ठ) जो दूर की सोच | - दूरदर्शी |
| (ड) जो कड़वा बोलता हो | - कटुभाषी |
| (क) जिसमें रस न हो | - नीरस |
| (ण) जो मांस खाने वाला हो | - मांसाहारी |

औपचारिक पत्र
Formal Letter

Page No.	
Date	7 8 21

अपने मोहल्ले की गंदगी हटवाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखें .

सेवा में

स्वास्थ्य अधिकारी

भुवनेश्वर नगर निगम

श्रीरामनगर

भुवनेश्वर - 751002

विषय - मोहल्ले से गंदगी हटवाने हेतु प्रार्थना .

सविनय निवेदन यह है कि श्रीरामनगर क्षेत्र में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है . सफाई कर्मचारियों से भी कई बार आग्रह किया गया परंतु उन पर कोई प्रभाव नहीं हुआ . सड़क के ढेरों पर मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है . मलेरिया एवं डेंगू फैलने की पूरी संभावना है .

आपसे विनम्र निवेदन है कि सफाई का उचित प्रबंध यथाशीघ्र करवाने का कष्ट करें जिससे मोहल्लेवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके .

धन्यवाद सहित

भवदीय

X Y Z (नाम)

वी - 39, श्रीरामनगर, भुवनेश्वर

दिनांक -

अनौपचारिक पत्र

Informal Letter

Page No.

Date

7 | 8 | 21

परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर मित्र को बधाई पत्र

गौरव कुमार सिंह
राफ-37, विजय नगर
नई सड़क, शिशुपाल
दिनांक - 07 अगस्त

प्रिय महोदय,

सन्नेह !

मैं यहाँ पर ठीक से हूँ, आशा करता हूँ कि तुम भी ठीक से होगे। आज ही तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। पत्र पढ़कर अत्यधिक प्रसन्नता एवं खुशी हुई कि 'द सैवी कक्षा में 'A' प्लस' ग्रेड के साथ तुमने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। यह बड़े ही हर्ष एवं गौरव की बात है। तुम्हारी इस सफलता के लिए मेरे परिवार के सभी सदस्य तुम्हें बधाइयाँ दे रहे हैं।

मैं तुम्हारे उज्ज्वल भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता रहूँगा; परिवार में सभी का यथायोग्य प्रणाम तथा धोती का प्यार कहना।

तुम्हारा प्रिय मित्र

गौरव कुमार